राजकीय महाविद्यालय, रायपुर (भीलवाड़ा)

Institutional Distinctiveness - 2021-22

राजकीय महाविद्यालय, रायपुर, भीलवाड़ा की स्थापना सन 2013 में हुई। इस महाविद्यालय के भवन एवं परिसर हेतु राजस्थान सरकार ने 12 हेक्टर भूमि आवंटित की है। यह महाविद्यालय भीलवाड़ा जिला मुख्यालय से 80 किलोमीटर दूर रायपुर-सहाड़ा विधानसभा क्षेत्र में रायपुर ग्राम पंचायत में ही रायपुर से 5 किलोमीटर दूर गंगापुर- कोशीथल रोड पर अवस्थित है। यह महाविद्यालय नांदसा जागीर और गौशाला के पास मुख्य सड़क मार्ग पर संचालित है। यह महाविद्यालय एक बड़ी ग्रामीण आबादी वाले क्षेत्र का एक प्रमुख उच्च शिक्षा का शैक्षणिक संस्थान है। यह महाविद्यालय सरकार के सहयोग से निर्मित स्वयं के राजकीय भवन में सन 2017 से संचालित है। यह नवस्थापित महाविद्यालय राजस्थान के दक्षिण पूर्व में स्थित भीलवाड़ा जिले के उत्तर में महाविद्यालय भवन-निर्माण का कार्य आधुनिक सुविधा को ध्यान में रखकर सरकार के निर्देशानुसार सार्वजानिक निर्माण विभाग द्वारा पूर्ण किया गया है। भविष्य में महविद्यालय के विकास व विस्तार की अनन्त सम्भावनाएं हैं।

यह महाविद्यालय सत्र 2013-14 में कला संकाय के प्रथम वर्ष में प्रविष्ट 100 छात्र-छात्राओं के नियमित अध्ययन से आरंभ हुआ। वर्तमान में स्नातक एवं स्नातकोत्तर में 424 विद्यार्थी अध्ययनरत है। इस महाविद्यालय में 296 छात्राएं अध्ययनरत हैं, जोकि कुल विद्यार्थियों का 70% है। महाविद्यालय महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर से अस्थाई संबद्धता प्राप्त है। इस महाविद्यालय में कला संकाय में सात विषय संचालित हैं- हिंदी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, भूगोल, इतिहास, अर्थशास्त्र, संस्कृत, राजनीति विज्ञान आदि में विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

सत्र 2020-21 में राजस्थान सरकार, उच्च शिक्षा (ग्रुप 3) विभाग, जयपुर ने दिनांक 3 सितंबर, 2020 के अनुसार माननीय मुख्यमंत्री महोदय की बजट घोषणा संख्या 281 की अनुपालना में राजकीय महाविद्यालय, रायपुर (भीलवाड़ा) को स्नातक से स्नातकोत्तर स्तर पर हिंदी विषय में क्रमोन्नत किए जाने की प्रशासनिक एवं वितीय स्वीकृति जारी की गई। तदनुसार सत्र 2020-21 में आयुक्तालय के निर्देशानुसार ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया द्वारा स्नातकोत्तर हिंदी पूर्वार्द्ध में 34 विद्यार्थी प्रविष्ट होकर नियमित कक्षाएं प्रारंभ हुई। वर्तमान सत्र 2021-22 मे पी.जी. हिंदी में कुल 60 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

राजकीय महाविद्यालय रायपुर (भीलवाड़ा) को सन 2020 से महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर ने मुख्य परीक्षाओं का परीक्षा केंद्र बनाया है। इस परीक्षा केंद्र पर पिछले 2 वर्षों से सफलतम परीक्षाओं का आयोजन हो रहा है। राजकीय महाविद्यालय, करेड़ा (भीलवाड़ा) के नियमित विद्यार्थी भी इसी परीक्षा केंद्र पर विश्वविद्यालय की मुख्य परीक्षाएं दे रहे हैं, साथ ही स्वयंपाठी विद्यार्थियों के लिए यह महाविद्यालय परीक्षा केंद्र हैं।

राजकीय महाविद्यालय, रायपुर में वर्तमान में दो संकाय सदस्य नियमित रूप से कार्यरत है, जिनमें हिंदी विषय के सहायक आचार्य डॉ. नेमीचंद कुमावत है, जो एम. फिल् एवं पीएच.डी. है। वे महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर में शोध पर्यवेक्षक के रूप में पंजीकृत है। उनके अधीन एक शोधार्थी पीएच.डी. शोध-कार्यरत है। इतिहास विषय के सहायक आचार्य डॉ. नारायण लाल माली है, जो पीएच.डी. है, साथ ही वे एक लेखक भी हैं। उनकी 3 पुस्तकें प्रकाशित हैं। दोनों संकाय सदस्य शिक्षण-कार्य के साथ-साथ अपनी शैक्षणिक गुणवता में लगातार बढ़ोतरी कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र में महाविद्यालय स्थापित हैं, जहां कम सुविधाएं होते हुए भी यूजी.सी. पीर रिवाइज्ड जनरल्स और समकक्ष पत्रिकाओं में उनके लगातार शोध-पत्र प्रकाशित हो रहे हैं। दोनों ही संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय सेमिनार और संगोष्ठियों में अपने शोध-पत्रों का वाचन किया है। दोनों ही संकाय सदस्य महाविद्यालय में प्रवेश-कार्य, छात्रवृति-कार्य, राष्ट्रीय सेवा योजना संबंधी अति महत्वपूर्ण कार्य करते हुए महाविद्यालय की सभी समितियों में कार्य कर रहे हैं एवं महाविद्यालय में उत्तम कोटि का शैक्षणिक वातावरण निर्मित करने में समर्पित है।

इस महाविद्यालय में सत्र भर केंद्र व राज्य सरकार तथा जिला प्रशासन के निर्देशान्सार सह-शैक्षणिक गतिविधियां आयोजित की गई हैं, जिनमें प्रमुख हैं- हरित राजस्थान के तहत हरा-भरा महाविद्यालय परिसर की थीम पर 40 पौधों का वृक्षारोपण कार्य किया गया। 14.09.2021 को 'हिंदी-दिवस' के अवसर पर एक 'भित्ति-पत्रिका' निर्मित की गई, जिसे महाविद्यालय परिसर में प्रकाशित किया गया। 02.10.2021 को 'गाँधी एवं शास्त्री जयंती' के उपलक्ष्य में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई, इस अवसर पर गाँधी एवं शास्त्री जी पर केंद्रित 'चित्र प्रदर्शनी' लगाई गई। 19 से 25 नवंबर, 2021 तक 'कौमी एकता सप्ताह' मनाया गया। 19.01.2022 को विवेकानन्द जी के कृतित्व-व्यक्तित्व पर केन्द्रित "भित्ति-पत्रिका" का निर्माण कर महाविद्यालय परिसर में प्रकाशित की गई। 15.03.2022 को 'हार्टफूलनेस एवं मेडिटेशन' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें मुख्य वक्ता और अतिथि, राजकीय महाविद्यालय, बनेड़ा (भीलवाड़ा) की प्राचार्या—डॉ. अन्नु कपूर ने 'हार्टफूलनेस एवं मेडिटशन' की विभिन्न मुद्राओं से विद्यार्थियों को अभ्यास करवाकर प्रशिक्षित किया। 23. 3.2022 को आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरू के प्रेरक व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं पर केन्द्रित 'भित्ति पत्रिका' का महाविद्यालय परिसर में प्रकाशन किया गया।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की एक इकाई कार्यरत हैं, जिसमें 115 विद्यार्थी पंजीकृत हैं। इस इकाई के तहत् निर्देशानुसार दैनिक गतिविधियां, तीन एक दिवसीय शिविर और सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया है। महाविद्यालय का एक यूट्यूब चैनल बनाया हुआ है, जिस पर सभी संकाय सदस्यों ने अपने—अपने विषय की प्ले लिस्ट तैयार करके कक्षावार कुल 825 वीडियो अपलोड किए हैं, जिसका लिंक सभी विद्यार्थियों के लिए ओपन कर रखा है। सभी विद्यार्थी इस चैनल से लाभान्वित हो रहे हैं। साथ ही संकाय सदस्यों ने अपने—अपने विषय के व्हाट्सएप ग्रुप भी बना रखे हैं जिन पर विद्यार्थियों हेतु ई—सामग्री, पीडीएफ एवं अपलोडेड वीडियो के लिंक प्रेषित किए गए हैं।

महाविद्यालय में राज्य और केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर लागू की गई छात्रवृत्ति योजनाओं से विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। सत्र 2021—22 में समाज कल्याण विभाग की छात्रवृत्ति योजना में 66 आवेदन प्राप्त हुए हैं। काली बाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना अंतर्गत 42 आवेदन प्राप्त हुए हैं। देवनारायण छात्रा स्कूटी योजना अंतर्गत 3 आवेदन प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रवृति योजना अंतर्गत 57 आवेदन–पत्र प्राप्त हुए हैं। महाविद्यालय स्तर पर कोई आवेदन पत्र आज दिनांक तक पेंडिंग नहीं है।

महाविद्यालय परिसर में सोलर पैनल की सुविधा है। दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए रैंप की सुविधा है। सभी विद्यार्थियों के लिए स्वच्छ पेयजल हेतु वाटर कूलर की व्यवस्था है। महाविद्यालय में गांधी अध्ययन केंद्र एवं पुस्तकालय की सुविधाएं हैं, जिनसे विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। महाविद्यालय में सत्र 2021—22 में विद्या संबल योजना अंतर्गत चार विषयों— अर्थशास्त्र, भूगोल, संस्कृत एवं हिंदी साहित्य में सरकार के निर्देशानुसार पूर्णतया अस्थाई तौर पर चार अतिथि व्याख्याताओं ने शिक्षण कार्य करवाया है।

राजकीय महाविद्यालय, रायपुर (भीलवाड़ा) में सत्र 2020—21 में विश्वविद्यालय की मुख्य परीक्षा 2021 में कुल 302 परीक्षार्थी प्रविष्ट हुए, उनमें से 288 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए, इनमें से 40 प्रतिशत विद्यार्थियों ने 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर प्रथम श्रेणी प्राप्त की। 2021 का परीक्षा परिणाम 95.36 प्रतिशत रहा है।

इस महाविद्यालय परिसर के 3 से 4 कि.मी. के आसपास तक कोई आवासीय क्षेत्र नहीं होने एवं आवागमन की पर्याप्त सुविधाएं नहीं होने के बावजूद भी इस महाविद्यालय में सत्र 2021—22 में 70 प्रतिशत छात्राएं अध्यनरत है और लगातार छात्राओं का प्रतिशत बढ़ता जा रहा है, जो 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' की थीम को साकार कर रहा है।

> **डॉ. निशा माथुर** प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, रायपुर (भीलवाड़ा)